चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	24-3-26	3	6-8

The Tribune
ESTABLISHED IN 1881

CM honours 42 progressive farmers at Hisar Krishi Mela

Lashes out at Congress, calls it 'family-centric'

HISAR, MARCH 23

Brushing aside the speculation of cross-voting by the BJP during the Rajya Sabha polls, CM Nayab Singh Saini said the Opposition was spreading rumours. Saini was here to inaugurate the Kharif Krishi Mela-2026 at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) today.

Chief Minister Nayab Singh Saini at the Kharif Krishi Mela in the HAU in Hisar on Monday. TRIBUNE PHOTO

He said the Congress had become a family-centric party, referring to Rahul Gandhi at the national level and Bhupinder Hooda at the state level. He alleged that both the Congress and AAP had failed to serve people in Punjab.

Earlier, addressing farmers, he said the fair was a symbol of farmers' hard work and foresight of scientists. "The university has made significant contributions in the areas of improved seeds, water conservation, soil health and climate-smart agriculture," he said, adding that a Nutri-Cereals Research Centre had been inaugurated at Gokulpura village in Bhiwani district, spread over 64 acres and built at a cost of Rs 11.67 crore. The centre would work towards developing disease- and pest-resistant varieties of millets, enhancing shelf life of millet flour, establishing market linkages for producers, and promoting value addition, he added.

The CM honoured 42 progressive farmers, including 21 women, describing them as a source of inspiration for the state's progress. He said Haryana had become the second-largest contributor to the country's food grain pool.

Appreciating the initiative of bringing farmers, scientists and innovation onto a common platform, he said the soil of Hisar symbolises hard work, livestock prosperity and the sacrifices of brave soldiers. "Rakhigarhi represents the pride of our ancient civilisation, while Agroha narrates the story of Maharaja Agrasen's ideals of social harmony and trade prosperity," he said. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.3.26	2	1-4

हिसार में कृषि मेला • सीएम ने भिवानी के गोकुलपुरा में बने पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र का उद्‌घाटन किया

1.40 लाख सेमग्रस्त भूमि खेती योग्य बनेगी, जैविक खाद पर 80% सब्सिडी दी जाएगी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में 1.40 लाख एकड़ सेमग्रस्त भूमि को खेती योग्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल से जुड़े किसानों को जैविक खाद पर 80 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। पीएम कुसुम योजना के तहत 35 हजार नए सौर ऊर्जा पंप लगाए जाएंगे।

सीएम सोमवार को एचएयू में आयोजित कृषि मेला खरीफ को संबोधित कर रहे थे। एचएयू कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कृषि मेले में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न के रूप में समृद्ध किसानी का प्रतीक हल भी भेंट किया। सीएम ने कहा कि सरकार ने मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत 2 हजार रुपए प्रति एकड़ अतिरिक्त बोनस देने का निर्णय लिया है। सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कृषि क्षेत्र की बिजली आपूर्ति व्यवस्था के लिए एग्री डिस्कॉम बनाने की भी घोषणा की है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती के लिए 2 हजार एकड़ का एक स्मार्ट एग्रीकल्चर क्लस्टर बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए किसानों को 1 लाख से अधिक मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कृषि मेले में 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया, जिनमें 21 महिला किसान भी शामिल रहीं। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा विभाग, कपास अनुभाग, तिलहन विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा किसानों को जानकारी देने के लिए प्रकाशित की गई पुस्तकों का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने भिवानी के गोकुलपुरा में नवनिर्मित पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र का उद्घाटन किया। इस अनुसंधान केन्द्र का निर्माण 63 एकड़ भूमि पर किया गया है जो ग्राम पंचायत गोकलपुरा की ओर से आबंटित की गई है। अनुसंधान केन्द्र के शुरू होने से बाजरा, ज्वार, रागी तथा कंगनी आदि जैसे मोटे पोषक अनाज श्रीअन्न पर अनुसंधानों को और गति मिलेगी।

42 प्रगतिशील किसान सम्मानित, इनमें 21 महिला किसान भी शामिल

हिसार | मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कृषि मेले में प्रदेश के 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया।

अत्यधिक जल दोहन नहीं करें: राणा

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने खेती में कीटनाशकों व अत्यधिक खाद के प्रयोग तथा अंधाधुंध पानी के दोहन पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि हमने समय रहते वैकल्पिक उपाय नहीं किए तो हमारी जमीनें बंजर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि कृषि प्रधान देश होने के बावजूद हमें कई प्रकार की दालें और खाद बाहर से आयात करना पड़ता है।

पंजाब की सरकार का नकाब उतरा

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का ईमानदारी का नकाब अब उतर चुका है। फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान रजिस्ट्रेशन के नए नियमों को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार ने अधिकारियों को प्रक्रिया को सरल बनाने के निर्देश दे दिए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	24.3.26	2	1-5

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेले का सीएम ने किया शुभारंभ

खेती अब केवल पेशा नहीं, युवा इसे 'स्टार्टअप' के रूप में अपनाएं: सैनी

कुमार मुकेश/हप
हिसार, 23 मार्च

बदलते दौर में खेती अब केवल एक पारंपरिक पेशा नहीं रह गई है, बल्कि यह तकनीक और नवाचार से जुड़कर एक बड़े व्यवसाय का रूप ले चुकी है। युवाओं को आगे आकर इसे 'स्टार्टअप' के तौर पर अपनाना चाहिए। यह आह्वान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को किया। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में 'सतत कृषिः समृद्धि की राह' थीम पर आयोजित दो दिवसीय खरीफ कृषि मेले के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

■ धान-गेहूं के चक्र से बाहर आएं, जल संरक्षण पर सरकार का जोर

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह मेला केवल तकनीक के आदान-प्रदान का मंच नहीं, बल्कि अन्नदाताओं के समर्पण और मेहनत का उत्सव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने की, जबकि कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परिसर में अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को पुष्पांजलि भी अर्पित की। नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि सरकार की नीतियों और हकृवि के योगदान से हरियाणा आज कृषि क्षेत्र में देश का नेतृत्व कर रहा है।

मुख्यमंत्री सैनी ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का जिक्र करते हुए क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग, ड्रोन तकनीक और डिजिटल कृषि पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है ताकि किसान केवल धान-गेहूं के चक्र पर निर्भर न रहें। जल संरक्षण के उद्देश्य से धान की सीधी बुवाई अपनाने वाले किसानों को 4500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इसके साथ ही ड्रिप व स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' जैसी डिजिटल पहलों से किसानों को पारदर्शी सेवाएं मिल रही हैं, वहीं हकृवि की मौसम पूर्वानुमान प्रणाली से 6 लाख से अधिक किसानों को मोबाइल संदेश के जरिये सटीक जानकारी मिल रही है। सीएम ने महिला किसानों की बढ़ती भागीदारी की भी सराहना की। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने घटते जल संसाधनों पर चिंता जताते हुए पारंपरिक फसलों के साथ दलहनी और तिलहनी फसलों की पैदावार बढ़ाने की सलाह दी। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि कृषि क्षेत्र वर्तमान में जलवायु परिवर्तन, मृदा क्षरण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे माइक्रो-इरिगेशन, सीधी बीजित धान, फसल विविधीकरण और डिजिटल कृषि तकनीकों को अपनाएं। इस मौके पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, हिसार विधायक सावित्री जिंदल, हांसी विधायक विनोद भयाना, प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार, मेयर प्रवीण पोपली, भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया और जिला अध्यक्ष आशा खेदड़ समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

हिसार में आयोजित कृषि मेले के दौरान विभिन्न स्टालों पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। -हप

पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को भिवानी जिले के गोकुलपुरा गांव में नवनिर्मित 'पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र' का विधिवत उद्घाटन किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) द्वारा 63 एकड़ भूमि पर विकसित इस केंद्र के निर्माण पर कुल 1167.17 लाख रुपये की लागत आई है। मुख्यमंत्री ने कृषि मेला स्थल से ही रिमोट के जरिए इस केंद्र की सौगात क्षेत्र के किसानों को दी। राज्य सरकार ने इस केंद्र के संचालन के लिए वैज्ञानिक और सहायक स्टाफ के 93 पदों को मंजूरी प्रदान की है। इस अनुसंधान केंद्र के शुरू होने से बाजरा, ज्वार, रागी तथा कंगनी जैसे मोटे अनाज (श्रीअन्न) पर शोध कार्यों को नई गति मिलेगी। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य पोषक अनाज की उच्च पैदावार वाली और रोगरोधी उन्नत किस्मों का विकास करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24.3.26	3	5-8

किसान अन्नदाता ही नहीं राष्ट्र निर्माता भी: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

■ जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर और मृदा स्वास्थ्य को लेकर किसानों को किया जाए जागरूक

हिसार, 23 मार्च (राठी): मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कृषि मेला-2026 का शुभारंभ करते हुए किसानों, वैज्ञानिकों और नवाचार को एक मंच पर लाने की पहल को सराहते हुए कहा कि किसान अन्नदाता ही नहीं राष्ट्र निर्माता भी है। उन्होंने कृषि क्षेत्र की चुनौतियों जैसे गिरता जल स्तर, मृदा उर्वरता में कमी और जलवायु परिवर्तन का जिक्र करते हुए आधुनिक और सतत खेती अपनाने पर जोर दिया।

इससे पहले कृषि मेले में पहुंचने पर मुख्यमंत्री सैनी ने शहीदी दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। हकृवि के कुलपति प्रो.बी.आर. कांबोज ने कृषि मेले में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में समृद्ध किसानी का प्रतीक हल भी भेंट किया। कृषि मेले के दौरान मुख्यमंत्री ने मेले में लगाई गई विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया और प्रगतिशाल किसानों को सम्मानित किया। मेले में कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा भी मौजूद रहे।

अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हिसार की मिट्टी मेहनत, पशुधन समृद्धि और वीर सैनिकों की कुर्बानियों की

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हकृवि में आयोजित कृषि मेला के दौरान उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए।

गवाही देती है। राखीगढ़ी हमारी प्राचीन सभ्यता का गौरव है जबकि अग्रोहा की धरती महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समरसता और व्यापारिक वैभव की कहानी कहती है। उन्होंने कहा कि आज नवरात्रि के पावन अवसर पर मां स्कंदमाता की आराधना और शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस का संयोग हमें त्याग, तपस्या और समर्पण का संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित यह मेला किसानों की मेहनत और वैज्ञानिकों की दूरदृष्टि का प्रतीक है। विश्वविद्यालय ने उन्नत बीज, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-स्मार्ट कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भिवानी जिले के गोकुलपुरा में 64 एकड़ में 11.67 करोड़ रुपये की लागत से बने पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कृषि मेले में 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया, जिनमें 21 महिला किसान भी शामिल रहीं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विकसित भारत-2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि किसान इस लक्ष्य के आधार स्तंभ हैं। डबल इंजन सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए खेती को लाभकारी उद्यम में बदलने की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने फसल विविधीकरण और मेरा पानी-मेरी विरासत योजना का उल्लेख किया, जिसके तहत किसानों को वैकल्पिक फसलें अपनाने पर 8 हजार रुपए प्रति एकड़ की सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 2.20 लाख एकड़ क्षेत्र में इस योजना के तहत 157 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए किसानों को 1 लाख से अधिक मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं। वर्तमान में प्रदेश में 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है और ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से 12 लाख किसानों को 1.64 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधिष् योजना के तहत 20 लाख किसानों को 7,562 करोड़ रुपए और फसल बीमा के तहत 16,160 करोड़ रुपए के क्लेम की राशि भी दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती के लिए 2 हजार एकड़ का एक स्मार्ट एग्रीकल्चर क्लस्टर बनाया जाएगा।

दलहनी एवं तिलहनी फसलों की पैदावार बढ़ाने की आवश्यकता: श्याम सिंह राणा: कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों को संबोधित करते हुए फसल विविधीकरण और जल संरक्षण के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य और घटते जल संसाधनों के बीच किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-साथ दलहनी एवं तिलहनी फसलों की पैदावार बढ़ाने की दिशा में आगे भाजपा में कोई क्रॉस वोटिंग नहीं हुई मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा में कोई क्रॉस वोटिंग नहीं हुई है। विपक्ष की ओर से इस बारे में अफवाह फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कृषि मेले के दौरान पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा के एक वोट रद्द होने के सवाल पर कहा कि कभी गलती हो जाती है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि विपक्ष के पास कोई मुददा नहीं है। विपक्ष की ओर से काम रोको तथा अविश्वास प्रस्ताव लाए जाते हैं, इसके बाद वह खुद ही सदन से भाग जाते हैं।

पंजाब को लेकर मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस की सरकार रही या आम आदमी पार्टी ने लोगों का शोषण करने का काम किया है। जनता का भला करने की बजाए अपना घर भरने में जुटे रहे। आने वाले समय में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि कांग्रेस परिवार की पार्टी रह गई है। केंद्र में राहुल गांधी और प्रदेश में भूपेंद्र सिंह हुड्डा परिवार हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल ब्रिकी को लेकर किसानों को दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। हमारा मकसद किसानों को तंग करना नहीं बल्कि किसानों को राहत देना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	24.3.26	2	2-6

हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हकृवि में खरीफ कृषि मेले का शुभारंभ किया

किसान देश की ताकत, राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका

■ मुख्यमंत्री ने 21 महिलाओं सहित 42 प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं राष्ट्र निर्माता भी है। आपकी मेहनत से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। आपकी समृद्धि में ही देश की समृद्धि संभव है। सीएम सैनी सोमवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि आज नवरात्र के पावन अवसर पर मां स्कंदमाता की आराधना और शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस का संयोग हमें त्याग, तपस्या और समर्पण का संदेश देता है। इसी भावना के साथ कृषि मेले का आयोजन किया गया है, जो सतत कृषि-समृद्धि की राह विषय पर आधारित है। सीएम ने किसानों, वैज्ञानिकों और नवाचार को एक मंच पर लाने की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित यह मेला किसानों की मेहनत और वैज्ञानिकों की दूरदृष्टि का प्रतीक है। विश्वविद्यालय ने उन्नत बीज, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-स्मार्ट कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा आज देश के खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य बन चुका है।

किसानों को सशक्त कर रही डबल इंजन सरकार

डबल इंजन सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए खेती को लाभकारी उद्यम में बदलने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कृषि क्षेत्र की चुनौतियों जैसे गिरता जल स्तर, मृदा उर्वरता में कमी और जलवायु परिवर्तन का जिक्र करते हुए आधुनिक और सतत खेती अपनाने पर जोर दिया। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, प्राकृतिक और जैविक खेती तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को समय की आवश्यकता बताया। इस मौके पर सीएम ने 21 महिलाओं सहित 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कृषि मेले में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में समृद्ध किसानी का प्रतीक हल भी भेंट किया। कृषि मेले के दौरान मुख्यमंत्री ने मेले में लगाई गई विभिन्न स्टॉल का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ कमल गुप्ता, विधायक सावित्री जिंदल, विधायक विनोद भयाणा, विधायक रणधीर पनिहार, भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव मौजूद रहे।

पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र किसानों को समर्पित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी जिले के गोकुलपुरा गांव में नवनिर्मित पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र का उद्घाटन किया। इस केन्द्र के निर्माण कार्यों पर 1167.17 लाख रूपये की धनराशि खर्च की गई है। गौरतलब है कि इस अनुसंधान केन्द्र का निर्माण 63 एकड़ भूमि पर किया गया है जो ग्राम पंचायत गोकलपुरा की ओर से आबंटित की गई है। राज्य सरकार की ओर से इस केन्द्र के लिए वैज्ञानिक और सहायक स्टाफ के कुल 93 पदों को मंजूरी दी गई है। इस अनुसंधान केन्द्र के शुरू होने से बाजरा, ज्वार, रागी तथा कंगनी आदि जैसे मोटे पोषक अनाज (श्रीअन्न) पर अनुसंधानों को और गति मिलेगी।

पंजाब सरकार के मुंह से ईमानदारी का नकाब उतरा : मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री बोले, आप सरकार के भ्रष्टाचार से पंजाब की जनता दु:खी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का ईमानदारी का नकाब अब उतर चुका है। यही नहीं, पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी सरकार की वादाखिलाफी व भ्रष्टाचार से त्रस्त है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को यहां आयोजित कृषि मेले के शुभारंभ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पंजाब की जनता हरियाणा में विकास के माहौल और कल्याणकारी योंजनाओं का उदाहरण दे रही है, क्योंकि राज्य सरकार ने किसानों, व्यापारियों, महिलाओं और युवाओं के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं।

अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री को दिया गोहाना रैली का न्योता

चंडीगढ़। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास संत कबीर कुटीर पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने आगामी 29 मार्च को गोहाना की नई सब्जी मंडी में आयोजित होने वाली गोहाना विधानसभा धन्यवाद एवं विकास रैली में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री को औपचारिक निमंत्रण दिया। डॉ. शर्मा ने बताया कि रैली सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भाग लेंगे। रैली को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	24.3.26	3	3-8

दैनिक भास्कर

आयोजन • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला खरीफ के शुभारंभ पर बोले वीसी

चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक कृषि पद्धतियां अपनाएं : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

कृषि क्षेत्र वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, मृदाक्षरण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनका समाधान केवल सतत एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर ही संभव है। यह बात हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि मेला खरीफ में किसानों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे माइक्रो-इरिगेशन, सीधी बीजित धान, फसल विविधीकरण तथा डिजिटल कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत, रोगरोधी, तापमानरोधी, कम पानी एवं कम अवधि में तैयार होने वाली किस्में, किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

एचएयू मेले में सब्जियों व फसलों की वैरायटी देखते हुए। सरसों की वैरायटी के बारे में जानकारी लेते किसान।

हरियाणा कृषि क्षेत्र में कर रहा देश का नेतृत्व : रणधीर

नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने कृषि मेले में सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि हरियाणा आज कृषि के क्षेत्र में देश का नेतृत्व कर रहा है, जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का विशेष योगदान रहा है। यहां निकाली गई उत्तम वेरायटी के जरिए खाद्यान्न के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं देश भी आत्मनिर्भर बना है। नई तकनीक किसानों तक पहुंच रही है।

हरियाणा का उत्पादन 206 लाख टन तक पहुंचा, बासमती चावल के निर्यात में प्रदेश का विशेष स्थान

हरियाणा में वर्ष 1966 में जहां खाद्यान्न उत्पादन 25.92 लाख टन था, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 206 लाख टन हो गया है और आज हरियाणा देश के केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। उन्होंने यह भी कहा कि बासमती चावल के निर्यात में हरियाणा का विशेष स्थान है, जहां से देश का 60 प्रतिशत से अधिक बासमती निर्यात होता है। बाजरा, दलहन और तिलहन उत्पादन में भी राज्य अग्रणी है। उन्होंने कहा कि यह कृषि मेला किसानों और वैज्ञानिकों के बीच संवाद का एक सशक्त मंच है, जहां प्रदर्शित उन्नत किस्में, आधुनिक तकनीकें और नवाचार निश्चित रूप से किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी।

इधर... किसानों को किया सम्मानित

हिसार | कार्यक्रम में प्रगतिशील महिला किसानों के साथ सीएम नायब सैनी।

हिसार | एचएयू कृषि मेले में सम्मानित किए किसानों में जिला करनाल के गांव गगसीना से जगबीर सिंह, प्योंत से प्रियंका, पलवल के गांव यादूपुर से भगवान स्वरूप, अल्लिका से ज्योति, हिसार के गांव सातरोड कलां से राजेन्द्र सिंह, सदलपुर से प्रोमिला खीचड़, भिवानी के गांव रानीला से मुंशी राम, ईशरवाल से सुदेश, यमुनानगर के गांव रादौरी से छवि प्रकाश, मिल्कखास से रेखा रानी, पानीपत के गांव बिल्लासपुर से प्रवीन, नौल्था से निशु, महेन्द्रगढ़ के मोहल्ला लाला वाला कुआ से ओम प्रकाश यादव, गांव राजावास से जागृति, जींद के गांव रधाना से दलबीर सिंह चहल, रामराय से कुसुम, कैथल के गांव ल्दानाचक्कू से जोधाराम, खेड़ीलांबा से मुकेश देवी, फरीदाबाद के गांव नाचौली से हेमचंद, भोपानी से बाला, पंचकुला के सेक्टर 26 से विकास गहलोत, गांव नारायणपुर से स्वर्णजीत कौर, सोनीपत के गांव बड़वासनी से राजेश, जगदीशपुर से पुष्पा, कुरुक्षेत्र के गांव भौरसैदां से संतोष कुमार, कैलाश नगर से पूजा रानी, नूंह के उजीना से प्रमोद कुमार, संगैल से ज्योति, फतेहाबाद के गांव डांगरा से सुरेश कुमार, अमानी से सुमन, झज्जर के गांव सासरौली से रणबीर, माजरी से सोनिका, अंबाला के गांव सुल्लर से मेहर सिंह, रतनगढ़ से सोनिका खुराना, रेवाड़ी के बिठवाना से रविन्द्र, घासेड़ा से दीपिका यादव, रोहतक के गांव चिड़ी से रामनिवास, बलियाना से ममता, सिरसा के संत नगर से बुद्ध सिंह गिल, ओढ़ा से सोनिया, हिसार के गांव जग्गा बाड़ा से सतबीर और शाहपुर से सुमन शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.3.26	1	2-5

कृषि महाकुंभ • पहले दिन हजारों किसान मेला देखने पहुंचे, स्टॉलों पर ली जानकारी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खरीफ कृषि मेला सोमवार को शुरू हुआ। पहले दिन मेला देखने के लिए हरियाणा सहित कई प्रदेशों से हजारों किसान पहुंचे। मेले में 250 स्टॉलें लगाई गईं। इनमें 165 स्टॉलें निजी कंपनियों ने लगाईं। 60 स्टॉलें एचएयू व अन्य संस्थानों ने लगाईं।

खेती-किसानी • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला शुरू

सीएम बोले : कृषि में ड्रोन, एआई और डिजिटल तकनीकों को अपनाएं युवा

भास्कर न्यूज़ | हिसार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना का जिक्र करते हुए कहा कि किसानों को मौसम की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान की जा रही है। योजना के तहत 21 फसलें कवर की जाती हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कृषि में ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एग्री-स्टार्टअप और फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

सोमवार को एचएयू में आयोजित खरीफ कृषि मेले में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 42 प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया, जिनमें 21 महिला किसान भी शामिल रहीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा आज देश के खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य बन चुका है।

हिसार | एचएयू कृषि मेले में स्टॉल देखते सीएम नायब सिंह सैनी। साथ हैं वीसी प्रो. बीआर काम्बोज और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

फसल बीमा : ₹16 हजार 160 करोड़ का क्लेम दिया

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 20 लाख किसानों को 7,562 करोड़ रुपए और फसल बीमा के तहत 16,160 करोड़ रुपए के क्लेम की राशि भी दी गई है। बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भावांतर भरपाई योजना के तहत 35 हजार से अधिक किसानों को 157 करोड़ रुपए की राशि भावांतर भरपाई के रूप में दी गई है।

विस्तार शिक्षा विभाग, कपास अनुभाग, तिलहन विभाग की पुस्तकों का विमोचन

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा विभाग, कपास अनुभाग, तिलहन विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा किसानों को जानकारी देने के लिए प्रकाशित की गई पुस्तकों का भी विमोचन किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, विधायक सावित्री जिंदल, विधायक विनोद भयाणा, विधायक रणधीर पनिहार, भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, प्रभारी जवाहर सैनी, एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, लुवास कुलपति डॉ. विनोद कुमार, कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार, उपायुक्त महेंद्र पाल, महापौर प्रवीण पोपली, पूर्व मंत्री अनूप धानक, हिसार जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, कृषि वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	26.3.26	5	1-8

खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री

कहा-कृषि मेला केवल ज्ञान एवं तकनीक के आदान-प्रदान का मंच ही नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत, समर्पण और नवाचार का उत्सव है

मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए (मध्य) मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मेले में प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए तथा (बाएं) मुख्यमंत्री पुस्तकों का विमोचन करते हुए।

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	२४.३.२४	७	२-३

कृषि मेले में पहले दिन 25 हजार से अधिक किसान पहुंचे

दो दिवसीय कृषि मेले का सीएम ने किया शुभारंभ

प्रदेश के 42 प्रगतिशील किसानों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

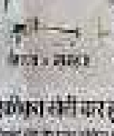

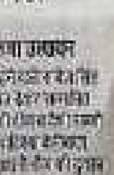

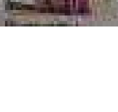

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	22.02.2026	--	--

हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। डॉ अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच है, जो उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरुकता और सेवा भाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयं सेविकाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे पूरे समर्पण और उत्साह के साथ शिविर की गतिविधियों में भाग लें तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आएं। उन्होंने स्वयंसेवकों को अनुशासन की भावना और सेवा भाव के साथ शिविर की प्रत्येक गतिविधि में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों की अहम भूमिका रहेगी। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने पौधारोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	23.03.2026	--	--

जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर और मृदा स्वास्थ्य को लेकर किसानों को किया जाए जागरूक : मुख्यमंत्री

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कृषि मेला-2026 का शुभारंभ करते हुए किसानों, वैज्ञानिकों और नवाचार को एक मंच पर लाने की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि हिसार की मिट्टी मेहनत, पशुधन समृद्धि और वीर सैनिकों की कुर्बानियों की गवाही देती है। राखीगढ़ी हमारी प्राचीन सभ्यता का गौरव है, जबकि अग्रोहा की धरती महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समरसता और व्यापारिक वैभव की कहानी कहती है। कृषि मेले में पहुंचने पर सर्वप्रथम मुख्यमंत्री ने शहीदी दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा विभाग, कपास अनुभाग, तिलहन विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा किसानों को जानकारी देने के लिए प्रकाशित की गई पुस्तकों का भी विमोचन किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री बीआर कांबोज ने कृषि मेले में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में समृद्ध किसानों का प्रतीक हल भी भेंट किया।

उन्होंने कहा कि आज नवरात्रि के पावन अवसर पर मां स्कंदमाता की आराधना और शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस का संयोग हमें त्याग, तपस्या और समर्पण का संदेश देता है। इसी भावना के साथ कृषि मेले का आयोजन किया गया है, जो सतत कृषि-समृद्धि की राह विषय पर आधारित है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह मेला किसानों की मेहनत और वैज्ञानिकों की दूरदृष्टि का प्रतीक है। विश्वविद्यालय ने उन्नत बीज, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-स्मार्ट कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भिवानी जिले के गोकुलपुरा में 64 एकड़ में 11.67 करोड़ रुपये की लागत से बने पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया गया है। यह केंद्र मोटे अनाजों की रोग व कीट प्रतिरोधी किस्मों के विकास, मिलेट्स आटे की सेल्फ लाइफ बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादकों के लिए बाजार संपर्क स्थापित करेगा और उन्नत किस्मों के विकास और वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य करेगा। यह केंद्र मिलेट्स उत्पादों के प्रसंस्करण तथा वैल्यू एडिशन की आधुनिक तकनीकें भी विकसित करेगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विकसित भारत-2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि किसान इस लक्ष्य के आधार स्तंभ हैं। इसलिए हमारी सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए खेती को लाभकारी उद्यम में बदलने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कृषि क्षेत्र की चुनौतियों जैसे गिरता जल स्तर, मृदा उर्वरता में कमी और जलवायु परिवर्तन का जिक्र करते हुए आधुनिक और सतत खेती अपनाने पर जोर दिया। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, प्राकृतिक और जैविक खेती, तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को समय की आवश्यकता बताया। मुख्यमंत्री ने फसल विविधीकरण और मेरा पानी-मेरी विरासत योजना का उल्लेख किया, जिसके तहत किसानों को वैकल्पिक फसलें अपनाने पर 8 हजार रुपये प्रति एकड़ की सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 2.20 लाख एकड़ क्षेत्र में इस योजना के तहत 157 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। माइक्रो इरिगेशन तकनीकों पर 85 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है और जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को तालाब बनाने के लिए भी 85 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने धान, गेहूं के पारंपरिक फसल चक्र से बाहर निकलने के लिए किसानों का आह्वान किया, साथ ही राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत दलहन फसलों के लिए 16 करोड़ 66 लाख रुपये तथा तिलहन फसलों के लिए 25 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए किसानों को 1 लाख से अधिक मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं। वर्तमान में प्रदेश में 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है और ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से 12 लाख किसानों को 1.64 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। फसल खरीद का भुगतान अब 48 घंटे के भीतर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना के तहत 20 लाख किसानों को 7,562 करोड़ रुपये और फसल बीमा के तहत 16,160 करोड़ रुपये के क्लेम की राशि भी दी गई है। बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भावांतर भरपाई योजना के तहत 35 हजार से अधिक किसानों को 157 करोड़ रुपये की राशि भावांतर भरपाई के रूप में दी गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	23.03.2026	--	--

हकृवि हिसार में खरीफ कृषि मेला-2026 का आगाज

कृषि ही है भविष्य की समृद्धि का आधार : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	24.03.2026	--	--

सतत कृषि ही भविष्य की समृद्धि का आधार : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हकृवि हिसार में खरीफ कृषि मेला-2026 का आगाज : मुख्यमंत्री ने 21 महिलाओं सहित 42 प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

भिवानी जिले के गोकुलपुरा में 64 एकड़ में 11.67 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र का हुआ उद्घाटन

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 24 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू), हिसार में सोमवार को खरीफ कृषि मेला-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। [illegible]

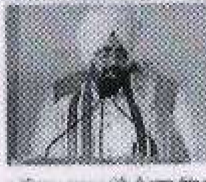

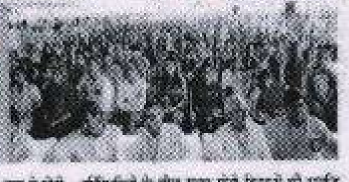

[illegible]

आप सरकार का ईमानदारी का नकाब उतर चुका : नायब सिंह सैनी

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	23.03.2026	--	--

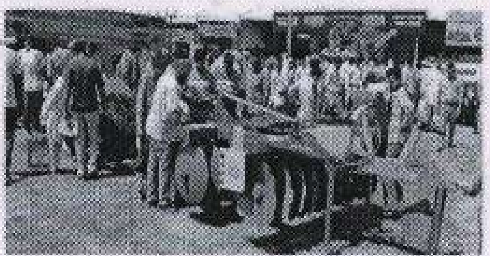

कृषि मेले में उमड़े किसान, कृषि यंत्रों, मशीनों और बीजों की ली जानकारी

दलहनी एवं तिलहनी फसलों की पैदावार बढ़ाने की जरूरत : राणा

किसानों की समृद्धि ही देश-प्रदेश की समृद्धि का आधार है: प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	23.03.2026	--	--

कृषि मेले का लाभ उठाएं किसान : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एचएयू में शुरू हुए दो दिवसीय कृषि मेले का किया उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लगे दो दिवसीय कृषि मेले (खरीफ) का उद्घाटन किया। इस मौके पर उनके साथ कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे। सीएम नायब सैनी ने मेले में किसानों से फसल के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील की कि हमारे किसान भाई इस मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। वह यहां आए देश विदेश के वैज्ञानिकों से आधुनिक खेती को लेकर जानकारी लें और उसे खेती करने की प्रक्रिया में शामिल करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा व मंत्री रणबीर गंगवा मेले का अवलोकन करते हुए।

बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के प्रांगण में दो दिवसीय कृषि मेले के उद्घाटन समारोह में आना मेरे लिए गौरव की बात है। आज का दिन भावनाओं, संस्कारों और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम है। आज के ही दिन भारत मां के तीन वीर सपूतों ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमा था।

उन्होंने कहा कि यह मेला हरियाणा की कृषि शक्ति, अन्नदाताओं के परिश्रम और हमारे वैज्ञानिकों की दूर दृष्टि का उत्सव है। आज गोकुलपुरा में 64 एकड़ के क्षेत्र में 11 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से बने मोटे अनाज अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया है।

जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की जरूरत : सीएम ने कहा, हरित क्रांति के दौर से लेकर आज तक हरियाणा के किसानों ने देश के अन्न भंडार को भरने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाई है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और जलवायु स्मार्ट कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मशीनें खेती को आसान, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल बना रही हैं। देश में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की मध्य प्रदेश से शुरुआत की गई। जल संरक्षण को भी एक जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। हरियाणा सरकार किसानों के हित में अनेक कदम उठा रही है। मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत किसानों को 157 करोड़ रुपए वित्तीय सहायता के रूप में पहुंचाने का काम किया है।

1.40 लाख एकड़ सेम ग्रस्त भूमि को सही करेंगे

हरियाणा सरकार ने पराली प्रबंधन के लिए किसानों को मशीनें उपलब्ध कराने का काम भी किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हरियाणा के किसानों के खाते में 7562 करोड़ रुपया सीधे खाते में पहुंचाने का काम किया है। मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में 21 फसलों को शामिल किया गया है। वर्ष 2026-27 के बजट में 1 लाख 40 हजार एकड़ सेम ग्रस्त भूमि को सेम मुक्त करने का निर्णय लिया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	23.03.2026	--	--

हकृवि का एबिक बना कृषि स्टार्टअप्स के लिए मजबूत प्लेटफार्म : प्रो. काम्बोज

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 23 मार्च : हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शोध तक सीमित नहीं, बल्कि उसे किसानों और उद्योगों तक पहुंचाना है। एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के तहत तीन नवाचार आधारित स्टार्टअप्स को अनुदान राशि के चेक वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि एबिक कृषि, डेयरी और मशरूम क्षेत्र में स्टार्टअप्स को मजबूत प्लेटफार्म प्रदान कर रहा है, जिससे नई तकनीकें तेजी से किसानों तक पहुंच रही हैं और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिल रही है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जानकारी दी कि वनपरोज एग्रोवेट प्रा. लि. को 8 लाख रुपये, वट सर्व एनिमल केयर प्रा. लि. को 10 लाख रुपये तथा रॉयल मशरूम एंड वेजिटेबल एलएलपी को 2 लाख रुपये की किस्त जारी की गई। ये स्टार्टअप मिट्टी सुधार, पशु रोग पहचान और मशरूम उत्पादन जैसी तकनीकों पर काम कर रहे हैं। एबिक निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता दी जा रही है, जिससे किसानों और पशुपालकों को आधुनिक समाधान मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय और स्टार्टअप्स मिलकर किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।